से भीगने तथा टिकिया चोरी से होने वाली क्षति को कम किया जा सके ।

(9) खराब माल-डिब्बों का संचरण कम करने के लिए मरम्मत लाइनों, यार्डों और माल-गोदामों में माल डिब्बों के पेनल-कट में पैबंद लगाना ।

(10) लदान और उतराई के दौरान पैकेजों का भली-भांति पर्यवेक्षण और सावधानीपूर्वक मिलान करना ।

(11) आमान परिवर्तन यानान्तरण स्थलों और पुनर्पैकिंग स्थलों पर पर्यवेक्षण के काम को तेज करना ।

(12) कर्मचारियों का उत्तरदायित्व शीघ्र नियत करना, और

(13) बरसात के मौसम में सामान गीला होकर क्षतिग्रस्त होने न पाये इसे रोकने के लिए विशेष एहतियात बरतना ।

हिन्दी को प्रोत्साहन

2617. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दी के कार्य को प्रोत्साहन देने के लिए उनके मंत्रालय मे कार्यक्रम आरम्भ किया गया है;

(ख) हिन्दी कार्यक्रमों के लिए पिछले मंत्रियों द्वारा नियुक्त की गई समितियों के सदस्यों के वेतन तथा भत्तों पर कुल कितना व्यय हुआ,

(ग) इस प्रकार के अपव्यय को रोकने के लिए क्या कार्यवाही की गई है,

(घ) क्या हिन्दी के कार्य के लिए केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, जो कि विभिन्न प्रकार की शब्दावली तैयार करने में लगा हुआ है, सहयोग लेने का विचार है;

(ङ) क्या केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के चेयरमैन और वैज्ञानिक शब्दावली आयोग के आयुक्त को रेलवे बोर्ड के हिन्दी कार्य में सम्बद्ध किया जाएगा; और

(च) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : (क) जी हां । रेलवे में हिन्दी कार्य के प्रोत्साहन के लिए अनेक योजनाएं शुरू की गयी हैं । इनमें अहिन्दी भाषी कर्मचारियों के लिए अखिल भारतीय हिन्दी निबन्ध एवं वाक् प्रतियोगिता, सभी कर्मचारियों के लिए हिन्दी टिप्पण एवं लेखन प्रतियोगिता और रेल मंत्री हिन्दी निबन्ध-लेखन प्रतियोगिता तथा क्षेत्रीय रेलों के कार्यालयों में हिन्दी सप्ताह का आयोजन शामिल है । इसके अतिरिक्त रेल मंत्री अन्तर्रेलवे राजभाषा शील्ड और अन्तर्मण्डलीय राजभाषा शील्ड भी प्रचलित की गयी हैं ।

(ख) सदस्यों को वेतन नहीं दिया जाता था, दैनिक भत्ता दिया जाता था, जिसके बारे में सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

(ग) हिन्दी सम्बन्धी समितियों का पुनर्गठन किया जा रहा है ताकि खर्च कम हो ।

(घ) हिन्दी में रेलवे के तकनीकी शब्दों और वाक्यांशों को अन्तिम रूप देने के लिए पहले से ही केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय का सहयोग लिया जाता है । अभी हाल ही में हिन्दी में रेलवे के सांख्यिकीय शब्दों की एक पारिभाषिक शब्दावली केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के अनुमोदन से तैयार की गयी है ।

(ङ) जी नहीं ।

(च) प्रश्न नहीं उठता ।